नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ....

दिनांक : 08.01.2019

प्रकाशनार्थ

व्यक्तित्व की संरचना अनेक शीलगुणों से मिलकर बनी होती है। शीलगुणों का विकास अधिगम एवं अनुभूतियों पर निर्भर होता है। शीलगुण से तात्पर्य व्यवहार की विशेषता या समायोजन के प्रतिमान से है। ये शीलगुण हमारे व्यक्तित्व विकास को प्रभावित भी करते है तथा निर्धारित भी। संवेगात्मक स्थिरता, आक्रामकता, दयालुता, सहिष्णुता, विश्वसनीयता आदि कुछ विशिष्ट शीलगुण हैं। व्यक्ति में जिस तरह के शीलगुण होंगे, यह निर्धारित करेगा कि व्यक्ति का व्यक्तित्व कैसा होगा। शीलगुणों में वैयक्तिक भिन्नता पायी जाती है और यही शीलगुण एक व्यक्तित्व को दूसरे व्यक्तित्व से अलग करता है। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्या ''व्यक्तित्व विकास में शीलगुण'' नामक विषय पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में आए दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज, गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी श्री विवेक कुमार शाही ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि बालकों के शीलगुणों के विकास में अनुकरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। बालक अपने माता–पिता, शिक्षकों आदि को आदर तथा सम्मान देता है और उनका अनुकरण करता है तथा उनके व्यवहारों को अपने जीवन में उतारता है। बहुत हद तक बालक का शीलगुण इस अनुकरण पर निर्भर करता है। अतः यदि हमें अपने व्यक्तित्व को विकसित करना है तो हमें सकारात्मक शीलगुणों को विकसित करना होगा। व्यक्तित्व को अनेक कारक प्रभावित करते हैं–कुछ कारक जैविक होते हैं, जो व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होते हैं और अनेक पर्यावरणीय कारकों का भी प्रभाव व्यक्तित्व पर पड़ता है।

कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर बी.ए./बी.एस–सी. मनोविज्ञान विषय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी